Enhancement of acreage under tobacco cultivation

8347. SHRI S. AUSTIN: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to enhance the acreage undr tobacco culti vation;

(b) whether any lands in Tamil Nadu have been found suitable for tobacco cultivation; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) Tobacco Board under Ministry of Commerce fixes the larget of Flue Cured Virginia (FCV) lobacco taking into account the domestic and export demand as well as carry over stock etc. It has increased the authorised area for FCV tobacco in Karnataka for 1995-96. Target for FCV crop area in Andhra Pradesh will be decided in July, 1995.

(b) and (c) Non-Virginia tobacco types like Chewing, Cigar and Cheroot are being grown in Tamil Nadu in the districts of Periyar. Coimbatore, Quaid E-Milleth, Thanjavur and Salem.

कपास का उत्पादन

8348. श्रीमती सुषमा स्वराज :
श्री राम जेठमलानी :

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में बहुत बड़े भू-भाग में कपास का उत्पादन होता है;

(ख) यदि हां, तो देश में कुल कृषि भूमि में से कितने प्रतिशत भूमि पर कपास का उत्पादन गत वर्षों में किया जा रहा है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि प्रमाणिक बीज यथेष्ट मात्रा में उपलब्ध न होने के कारण देश में कपास-उत्पादन की दर इसकी विश्व-स्तरीय औसत उत्पादन दर से काफी कम है ;

(घ) यदि हां, तो विश्व स्तर पर तथा स्वदेशी स्तर पर कपास की उत्पादन दर का क्या-क्या अनुमान है; और

(ङ) देश में कपास-उत्पादन में कितने प्रतिशत प्रमाणिक बीजों का उपयोग किया जा रहा है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) तथा (ख) कपास की खेती के अंतर्गत आने वाला कुल क्षेत्र देश के कुल फसल क्षेत्र का लगभग 4% है।

(ग) देश में कपास का औसत उत्पादन विश्व की तुलना में बहुत कम है जिसके विभिन्न कारण हैं, यथा-कपास के अंतर्गत का सिंचित क्षेत्रों का होना, उत्पादन प्रोद्योगिकी को कम अपनाना, सामाजिक आर्थिक कारक आदि/अत: प्रमाणीकृत बीजों की उपर्याप्त उपलब्धता को ही इस कमी का एक मात्र कारण नहीं माना जा सकता है ।

(घ) 1993 के आंकणों के अनुसार, विश्व तथा भारत में कपास की प्रति हैक्टेयर औसत उपज अनुमानित तौर से क्रमश: 545 कि० ग्रा० तथा 248 कि० ग्रा० थी ।

(ङ) इस समय देश में उपलब्ध प्रमाणित/गुणवत्ता वाले बीजों की मात्रा-कपास के 30% क्षेत्र में प्रयोग करने के लिए पर्याप्त है ।

कृषि उत्पादन की दर में कमी

8349. श्री राम जेठमलानी :
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में प्रमाणिक बीज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध न होने के